Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Issue regarding completion of Kalyan Yard Re-modelling work.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे मेरे चुनाव क्षेत्र कल्याण के कल्याण यार्ड री-मॉडलिंग के बारे में अपना मत रखने का मौका दिया, उसके लिए मैं धन्यवाद करता हूं । मेरा चुनाव क्षेत्र कल्याण जंक्शन बहुत ही बिजी रेलवे स्टेशनों में से एक है । वहां पर प्रतिदिन 760 ट्रेनें चलती हैं और रुकती हैं । लोकल ट्रेन्स हों या आउट स्टेशन्स ट्रेन्स हों, सभी ट्रेन्स वहां पर रुकती हैं । कल्याण यार्ड री-मॉडलिंग का प्रकल्प है, वह बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रकल्प है, जो कि एमयूटीपी-3 के अंतर्गत आता है और 800 करोड़ रुपये की लागत उसमें लगने वाली है । वर्ष 2018 में कल्याण यार्ड री-मॉडलिंग की स्वीकृति मिली है । जब कल्याण यार्ड री-मॉडलिंग का काम हो जाएगा, तो कल्याण जंक्शन का पूरी तरह से री-डेवलपमेंट हो जाएगा । हर लोकल, गुड्स और लॉन्ग डिस्टेंस ट्रेन्स को अलग-अलग प्लेटफार्म मिलेंगे । आज के समय में वहां पर सात प्लेटफार्म हैं और कल्याण यार्ड री-मॉडलिंग होने के बाद 13 प्लेटफार्म हो जाएंगे । आज ट्रेन्स रुकने और जंक्शन होने के कारण वहां पर बहुत ज्यादा भीड़ होती है तो आने वाले समय में यह असुविधा दूर होने वाली है । वर्ष 2018 में इसकी स्वीकृति मिली थी लेकिन अभी तक सिर्फ 60 करोड़ रुपये का ही टेंडर निकाला गया है । वहां अभी तक कुछ भी काम शुरू नहीं हो पाया है । मेरी जानकारी के अनुसार निधि के अभाव के कारण यह काम शुरू नहीं हो पा रहा है । मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी को यह दरख्वास्त करता हूं कि निधि का जल्दी से जल्दी आवंटन करें । यह प्रोजेक्ट, जो पहले ही पीछे चल रहा है, वह जल्दी से जल्दी शुरू करके लाखों लोगों को, जो असुविधा हो रही है, वह जल्दी से जल्दी दूर करने का काम करें । धन्यवाद